



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 214]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 30, 1995/अग्रहायण 9, 1917

No. 214]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER, 30 1995/AGRAHAYANA 9, 1917

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1995

निधन सूचना

सं. 3/11/95—पब्लिक.—श्री दिनेश सिंह, बिना विभाग के केन्द्रीय केबिनेट मंत्री का लम्बी बीमारी के उपरान्त 30 नवम्बर, 1995 को प्रातः 3.00 बजे डाक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। श्री दिनेश सिंह के निधन से देश ने एक सुयोग्य प्रशासक तथा अनुभवी राजनयिक खो दिया है।

श्री दिनेश सिंह का जन्म 19 जुलाई, 1925 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कालाकांकर में हुआ। श्री दिनेश सिंह कालाकांकर के राजा अवधेश सिंह और रानी लक्ष्मी कुमारी

के पुत्र थे। उन्होंने देहरादून के दून स्कूल में और बाद में लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण की।

श्री दिनेश सिंह 1957 में दूसरी लोकसभा के लिये निर्वाचित हुए। वे तीसरी लोक सभा (1962-67), चौथी लोक सभा (1967-70), पांचवीं लोक सभा (1971-77), आठवीं लोक सभा (1984-89) और नौवीं लोक सभा (1989-91) के भी सदस्य थे। 1977-82 की अवधि के दौरान वे राज्य सभा के सदस्य रहे। जुलाई, 1993 में फिर से राज्य सभा के लिये निर्वाचित हुए और अपने निधन तक इसके सदस्य बने रहे।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में श्री दिनेश सिंह ने कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाली थी। वे वाणिज्य मंत्री (1967-69), विदेश मंत्री (1969-70), औद्योगिक विकास और आंतरिक व्यापार मंत्री (1970-71), जल संसाधन मंत्री (1988) और नून वाणिज्य मंत्री (1988-89) तथा विदेश मंत्री (1993-95) रह चुके थे।

श्री दिनेश सिंह विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे कि संयुक्त राष्ट्र, महासभा, एफ.ए.ओ., ई.सी.ए.एफ.ई. और ई.सी.ओ.एस.ओ.सी. में भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य रहे। वे अफ्रीका के लिये भारतीय परिषद के महासचिव और बाद में उपाध्यक्ष रहे। उन्होंने क्रमशः ट्यूनिस् (1960) और कैरो (1961) में दूसरे और तीसरे सर्व अफ्रीकी जन सम्मेलन में भाग लिया। वे ई.सी.ओ.एस.ओ.सी. (1967 और 68) अंकटाइ-II (1969) और संयुक्त राष्ट्र महासभा (1969) में भारतीय प्रतिनिधि मंडल के नेता थे। वर्ष 1968-72 की अवधि के दौरान वे अंकटाइ-II के अध्यक्ष रहे।

श्री दिनेश सिंह बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। आर्थिक मामलों, अन्तर्राष्ट्रीय मामलों, फोटोग्राफी और वन्य जीवन में उनकी विशेष रुचि थी। वे खेलों में बहुत रुचि रखते थे और भारतीय क्रिकेट क्लब, बम्बई और दिल्ली गोल्फ क्लब के सदस्य रह चुके थे। टुवर्ड्स न्यू होरिजन्स (1971) और इंडिया एण्ड दी चेंजिंग ऐशियन सीन (1973) नामक दो पुस्तकों के अलावा उन्होंने विभिन्न पत्रिकाओं और राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों में अनेकानेक लेख लिखे थे।

श्री दिनेश सिंह अपने पीछे अपनी पत्नी, छः पुत्रियां और उनके परिवार छोड़ गये हैं।

के. पद्मनाभय्या, सचिव